

Roll No.....

Sr. No. Of Question Paper: : 6167
Unique Paper Code : 2441306
Name of Course : PERCUSSION MUSIC
Name of the Paper : Indian Musicology
Semester : III
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

F-5

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
2. Attempt any five question, all questions carry equal marks.
3. Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.

1. इस प्रश्न -पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. कोई पाँच प्रश्न कीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी में से किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What do you understand by classification of instruments? Describe in detail.

वाद्य वर्गीकरण से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2. What are the merits and demerits of an Artiste according to Sangeet Ratnakar?

संगीत रत्नाकर के अनुसार कलाकार के गुण एवं दोष क्या हैं?

3. Compare any **one pair** of following:-

- a. Ektala-Chartala
- b. Jhaptala – Sultala

निम्न में से किसी एक जोड़ी की तुलना कीजिये।

क. एकताल – चारताल

ख. झपताल - सूलताल

4. What do you understand by Kayada? Write in notation one Kayada and Two Paltas with Tihai in Ektaal.

कायदा से आप क्या समझते हैं? एकताल में एक कायदा और दो पल्टे तिहाई के साथ लिपिबद्ध करें।

Or अथवा

What do you understand by Rela? Write the notation of one Rela. With two Prastars and Tihai.

रेला से आप क्या समझते हैं? आदिताल में एक रेला, दो पल्टे तिहाई के साथ लिपिबद्ध करें।

5. Write the notation of a Sadharan Chakradar in Ektaal or Aditaal.

एकताल अथवा आदिताल में एक साधारण चक्रदार को लिपिबद्ध करें।

6. Give detailed introduction of Aditaal or Ektaal and also with its thah, Dugun, Tigun and Chaugun.

आदिताल अथवा एकताल का पूर्ण परिचय दें व उसकी ठाह, दुगुन व चौगुन लिखें।

7. Describe in detail the importance of Mukhara in Tabla or Pakhawaj while presentation with example.

तबला या पखावज की प्रस्तुति में मुखड़ा की क्या विशेषता है? उदाहरण के साथ सविस्तार व्याख्या करें।

8. Describe the Avanaddha and Ghan Vadyas according to Bharat Muni.

भरत मुनि के अनुसार अवनद्ध एवं घनवाद्यों का वर्णन कीजिए।